

## मोटरेवल पुल निर्माणमा ढिलाइ

बर्फाड, २९ माघ (रासस): जयपृथ्वी नगरपालिकाले भोलुङ्गो पुल नहटाउंदा मोटरेवल पुल निर्माणमा ढिलाइ भएको छ। जिल्ला सदरमुकाम चैनपुर नजिक पानकोटमा सेतीपारि का बस्तीलाई जोड्ने मोटरेवल पुल

निर्माणधिन छ। सो मोटरेवल पुल निर्धारित समयमा सम्पन्न नहुने देखिएको छ। पुलमा ढलानको काम मात्र बाँकी रहेका बताइएको छ। ढलान गर्ने कच्चापदार्थ गिट्टी, बालुवा, सिमेन्टलगायतका सामान

पुलको पारीसम्म पुऱ्याउनका लागि गाडी नअटाउने भएकाले भोलुङ्गो पुल हटाउनुपर्ने निर्माण कम्पनीले जानकारी दिएको छ। सेती नदी पारी रहेका स्थानीय तहलाई जोड्ने गरी २०७३ साल नै

निर्माण सम्पन्न हुनेगरी उक्त पुलको ठेक्का सम्झौता भएको थियो। लागत अनुमान नै त्रुटि भएका कारण पुल निर्माण हुन नसकेपछि गत वर्ष लागत परिवर्तन गरी पुनः बोलपत्र आव्हान भई निर्माण कार्य शुरु भएको थियो।

# रेल सञ्चालनले आर्थिक विकासमा टेवा पुग्ने

### कारोबार संवाददाता

जनकपुरधाम, २९ माघ

लामो समयदेखि प्रतिक्षारत रेलवे सञ्चालनले जनकपुरधामसहित तराई मधेशको आर्थिक विकासमा टेवा पुग्ने भएको छ। तराई मधेशका सीमावर्ती क्षेत्रमा एकमात्र जयनगर-जनकपुर-वर्दिवास रेलवे बन्द हुँदा सामान आयात निर्यातमा परेको असरले यस क्षेत्रको आर्थिक विकासमा नोकसानि हुँदै आएको छ।



१० वर्षअघिसम्म रेलवे सञ्चालनले यस क्षेत्रको मालसामान ढुवानीमा निकै सहयोग हुने गर्थ्यो तर रेल सेवा बन्द हुँदा सडक मार्ग मात्र विकल्पको रूपमा रहेको छ। रेलवे सञ्चालनको बेला आर्थिक नगरीको रूपमा जनकपुरधाम समेत परिचित थियो। तर रेल बन्द हुँदा मालसामान आयात निर्यातमा समेत कठिनाई भएको छ। भारतको जयनगरबाट धनुषाको सदरमुकाम जनकपुरसम्म चल्ने रेलसेवा स्थानीय व्यापार-व्यवसायको

प्रमुख करिडोर नै थियो। भारतीय बजारबाट खाद्यान्नसहित लताकपडा लगायत सामग्री किनमेल गरी जनकपुर जयनगर रेल सेवा सञ्चालन हुँदा जनकपुर मात्र नभई तराई मधेशका आधा दर्जन बढी जिल्लाका उद्योगी व्यवसायीको केन्द्र नै थियो। जनकपुरलाई आर्थिक राजधानीका लागि जयनगर-जनकपुर रेलसेवा र जनकपुर खुरोट कारखानाले महत्वपूर्ण योगदान पुऱ्याएको थियो। तर रेलसेवा र कारखाना बन्द भएपछि जनकपुर क्षेत्रको

व्यापार व्यवसाय ठप जस्तो भएको छ। रेलवे सेवा बन्द, पटक-पटकको मधेश आन्दोलन र कोरोना महामारीको असरले धारासायी बनेको जनकपुरधाममा रेलवे सञ्चालनमा आउने निश्चित भएपछि व्यवसाय वृद्धि हुने आशा उद्योगी व्यवसायीमा पलाएको छ। जनकपुरधामस्थित कपडा व्यवसायी सुरज रौनिया र भन्नु एक दशक अघिसम्म रेल सञ्चालनको बेला राम्रै व्यवसाय हुने गर्थ्यो। मालसामान ढुवानी गर्ना सहजताका साथै रेलमार्गबाट आएका पर्यटकले सामान किनमेल गर्थे। तर रेलवे बन्द, पटक पटकको मधेश आन्दोलनसहितका विभिन्न अधिकारवादी आन्दोलन र कोरोना महामारीले गर्दा त व्यापार नै चौपट भएको छ, अब रेल सेवा सञ्चालनमा आउने भएपछि पहिलाजस्तै मालसामान ल्याउनमा सहजता र व्यवसाय पहिलाजस्तै चल्ने आशा पलाएको उनले बताए।

नेपाल सरकार  
भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय  
सडक विभाग  
संघीय सडक सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन कार्यालय इटहरी  
**सडक डिभिजन चन्द्रनिगाहपुर**  
रौतहट

**बोलपत्र स्वीकृत गर्ने आशयको सूचना**

सूचना प्रकाशित मिति :- २०७७/१०/३० गते

यस डिभिजनको मिति २०७७/०९/१४ गतेको राजधानी दैनिकमा प्रकाशित सूचना नं IFB-०५-२०७७/७८ अनुसार E-Bid मार्फत दर्ता हुन आएका बोलपत्रदाताहरू मध्ये तपशिल बमोजिमका निर्माण व्यवसायीहरूको बोलपत्र न्यूनतम मुल्यांकित सारभूतरूपमा प्रभावग्राही देखी सार्वजनिक खरिद ऐन २०६३ को दफा २७(२) र ४७ को प्रयोजनार्थ सम्बन्धित सबैको लागि यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ।

| सि. नं. | ठेक्का नं.                | स्वीकृतका लागि छनौट भएका बोलपत्रदाताहरूको नाम र ठेगाना | कवोल अंक (मु.अ.क. र ए.क. समेत) |
|---------|---------------------------|--|--------------------------------|
| 1       | RDCNP/337310113-077/78-61 | विशाल निर्माण सेवा, बरहथवा-३, सर्लाही                  | 3211205.75                     |
| 2       | RDCNP/337310113-077/78-62 | समशेर कन्स्ट्रक्सन प्रा.लि., बुढानिलकण्ठ, काठमाडौं     | 2690982.11                     |

डिभिजन प्रमुख

**Rasuwagadhi Hydropower Company Limited**  
Maharajgunj, Kathmandu, Nepal

**Unaudited Statement of Financial Position**

As at 29 Poush 2077 (13 Jan 2021) (NRs. "000")

| Particulars   | This Quarter Ending Poush 2077 | Previous Quarter Ending Ashwin 2077 | Corresponding Previous Year Quarter Ending Poush 2076 |
|---|--------------------------------|-------------------------------------|---|
| <b>ASSETS</b>   |                                |                                     |   |
| <b>Non - Current Assets</b>   |                                |                                     |   |
| Property, Plant & Equipments  | 138,290                        | 142,945                             | 156,517   |
| Intangible Assets   | 181                            | 191                                 | 58  |
| Capital Work in Progress  | 13,503,135                     | 12,999,269                          | 9,768,412   |
| <b>Total Non - Current Assets</b>   | <b>13,641,606</b>              | <b>13,142,405</b>                   | <b>9,924,987</b>                                      |
| <b>Current Assets</b>   |                                |                                     |   |
| Inventory   | 5,824                          | 5,003                               | 5,784   |
| Prepayments   | 1,173                          | 1,092                               | 581   |
| Advances & Deposits   | 61,494                         | 60,724                              | 746,320   |
| Trade Receivables   | -                              | 2,500                               | -   |
| Cash & Cash Equivalents   | 49,668                         | 45,474                              | 244,727   |
| <b>Total - Current Assets</b>   | <b>118,159</b>                 | <b>114,793</b>                      | <b>997,412</b>  |
| <b>TOTAL ASSETS</b>   | <b>13,759,765</b>              | <b>13,257,198</b>                   | <b>10,922,399</b>                                     |
| <b>EQUITY AND LIABILITIES</b>   |                                |                                     |   |
| <b>Equity</b>   |                                |                                     |   |
| Share Capital   | 6,157,890                      | 6,157,890                           | 6,157,890   |
| Retained Earnings   | (201,146)                      | (196,858)                           | (149,755)   |
| <b>Total Equity</b>   | <b>5,956,744</b>               | <b>5,961,032</b>                    | <b>6,008,135</b>                                      |
| <b>Non - Current Liabilities</b>  |                                |                                     |   |
| Long Term Loans   | 6,537,364                      | 6,385,554                           | 4,395,737   |
| Retentions Payable  | 523,230                        | 509,498                             | 371,495   |
| <b>Total Non - Current Liabilities</b>                                      | <b>7,060,594</b>               | <b>6,895,052</b>                    | <b>4,767,232</b>                                      |
| <b>Current Liabilities</b>  |                                |                                     |   |
| Provisions  | 9,311                          | 9,089                               | 17,258  |
| Short Term Loan   | 525,000                        | 300,000                             | -   |
| Trade and Other Payables  | 208,116                        | 92,025                              | 129,774   |
| <b>Total Current Liabilities</b>  | <b>742,427</b>                 | <b>401,114</b>                      | <b>147,032</b>  |
| <b>TOTAL EQUITY AND LIABILITIES</b>   | <b>13,759,765</b>              | <b>13,257,198</b>                   | <b>10,922,399</b>                                     |
| <b>Unaudited Statement of Profit or Loss and Other Comprehensive Income</b> |                                |                                     |   |
| For the period ended Poush 2077 (13 Jan 2021) (NRs. "000")                  |                                |                                     |   |
| Particulars   | This Quarter Ending Poush 2077 | Previous Quarter Ending Ashwin 2077 | Corresponding Previous Year Quarter Ending Poush 2076 |
| <b>Income</b>   |                                |                                     |   |
| Revenue from Sale of Electricity  | -                              | -                                   | -   |
| <b>Expenses</b>   |                                |                                     |   |
| Hydropower Plant Operating Expenses   | -                              | -                                   | -   |
| Administrative Expenses   | (13,084)                       | (7,373)                             | (24,485)  |
| Depreciation  | (977)                          | (512)                               | (1,873)   |
| <b>Operating Profit/ (Loss)</b>   | <b>(14,061)</b>                | <b>(7,884)</b>                      | <b>(26,358)</b>                                       |
| Interest Income   | -                              | -                                   | 7,305   |
| Other Income/Expenses   | 14,722                         | 12,833                              | (1,958)   |
| <b>Profit / (Loss) before Tax and Bonus</b>                                 | <b>661</b>                     | <b>4,949</b>                        | <b>(21,011)</b>                                       |
| Employee Bonus  | -                              | -                                   | -   |
| <b>Profit/ (Loss) before Tax</b>  | <b>661</b>                     | <b>4,949</b>                        | <b>(21,011)</b>                                       |
| Less: Tax   | -                              | -                                   | -   |
| Current Tax   | -                              | -                                   | -   |
| Deferred Tax Income (Expense)   | -                              | -                                   | -   |
| <b>Net Profit/ (Loss) For the Period</b>                                    | <b>661</b>                     | <b>4,949</b>                        | <b>(21,011)</b>                                       |

धितोपत्रदर्ता तथा निष्काशन नियमावली, २०७३ को नियम २६ को उपनियम (१) अनुसार सूची- १४ अनुसार कम्पनीको आ. व. २०७७/०७८ को दोस्रो त्रैमासिक प्रतिवेदन।

१. वित्तीय विवरण  
(क) त्रैमासिक अवधिको अपरिस्कृत बासलात तथा नाफा/नोक्सान) सम्बन्धी विवरणहरू यसै साथ संलग्न गरिएको छ।  
(ख) प्रमुख वित्तीय सूचकहरू।

| क्र. सं. | विवरण                 | आ. व. २०७७/०७८ को दोस्रो त्रैमासिक अवधि | आ. व. २०७७/०७८ को पहिलो त्रैमासिक अवधिको | आ. व. २०७६/०७७ को दोस्रो त्रैमासिक अवधि | कैफियत            |
|----------|-----------------------|---|--|---|-------------------|
| १        | प्रति सेयर आम्दानी    | ०.०२                                    | ०.३२                                     | (०.६८)                                  | वार्षिककरण गरिएको |
| २        | मुल्य आम्दानी अनुपात  | १४.४३८                                  | ६५०.१३                                   | (२४४.७३)                                |                   |
| ३        | प्रति सेयर नेटवर्थ    | ९६.७३                                   | ९६.८०                                    | ९७.५७                                   |                   |
| ४        | प्रति सेयर कूल सम्पति | २२३.४५                                  | २१५.२९                                   | १७७.३७                                  |                   |
| ५        | तरलता अनुपात          | ०.१६                                    | ०.२९                                     | १.९२                                    |                   |

२. व्यवस्थापकीय विश्लेषण  
(क) यस कम्पनी अन्तर्गत रसुवा जिल्लाको गोसाइकुण्ड गाउँपालिकामा १११ मेगावाट क्षमताको निर्माणधिन रसुवागढी जलविद्युत आयोजनाको करिब ८०% भौतिक प्रगति रहेको छ। ५०% स्वर्पुजी तथा ५०% ऋण रहने गरि वित्तीय व्यवस्थापन गरिएकोमा स्वर्पुजी अन्तर्गत ५१% संस्थापक शेयरधनी र ४९% सर्वसाधारण शेयरधनी हुनेगरि व्यवस्था गरिएको छ। संस्थापक शेयरधनीअन्तर्गत नेपाल विद्युत प्राधिकरण १८%, चिप्लिमे जलविद्युत कं. लि. ३२.७९% तथा रसुवा जिल्लाका स्थानीय तह ०.२१% वाट सम्पूर्ण शेयर बापतको रकम रु.३ अर्ब ४८ करोड ९४ लाख ७९ हजार र सर्वसाधारण शेयरधनी तर्फ रसुवा जिल्ला बासीलाई छुट्टयाइएको १०% बाहेक अन्य समूहको प्राथमिक शेयर निष्काशन गरि प्राप्त २ अर्ब ६६ करोड ८४ लाख १९ हजार समेत गरि कुल चुक्ता पुँजी रु. ६ अर्ब १५ करोड ७८ लाख ९० हजार कायम भएको छ।  
आयोजना निर्माणका लागि सम्पूर्ण ऋण कर्मचारी संचयकोषबाट प्राप्त हुने गरि ऋण सम्झौता भई ऋण परिचालन भई रहेकोछ। ऋण सम्झौताको शर्तवमोजिम ऋणको व्याज आयोजना निर्माण अवधि भरि प्रत्येक ३ महिनामा पुँजीकरण गरिने छ। हाल कर्मचारी संचयकोषबाट प्राप्त हुने ऋणको वार्षिक व्याजदर श्रावण २०७७ देखि लागू हुने गरी १०.७५% वाट ९.७५% कायम गरिएको छ।  
कम्पनी द्वारा निर्माणधिन १११ मे.वा. क्षमताको रसुवागढी जलविद्युत आयोजनाबाट २०७७ आषाढ मसान्त सम्म विद्युत उत्पादन गर्ने लक्ष्य रहेकोमा निम्न काबु बाहिरको परिस्थितीका कारण आयोजना सम्पन्न हुन सकेन।  
● गतवर्ष आएको बाढी (flash flood) का कारण हेडवर्कको निर्माण कार्य स्थगित भएको साथै आयोजना क्षेत्रभित्र निरन्तर गएको पहिरोका कारण वर्षायाम अवधिभर अडि्ट सुरुइहरू CA #2, CA #3 र CA #4 मा कार्य अगाडि बढाउन नसकिएको।  
● २० जुन २०१९ मा गएको पहिरोको कारण सर्ज साफ्ट जाने पहुँचमार्ग क्षतिग्रस्त भएकोमा १८ डिसेम्बर २०१९ मा मात्र अडि्ट सुरुइहरू CA #3 र CA #4 को पहुँच मार्गको मर्मत सम्भार गरी, तत्पश्चात मात्र सर्ज साफ्ट को कार्य अगाडि बढाइएको।  
● आयोजनाको टेलरेस टनेलको करिब ७० मी. लम्बाईमा अत्यन्त कमजोर भौगर्भिक अवस्थाका कारण करिब ३५ मी क्षेत्र खुम्बिन् गई निर्माण कार्य अगाडि बढाउन कठिनाई भएको र हालसम्म सुस्त गतिमा उक्त कार्य अगाडि बढिरहेको।  
● विश्वव्यापी रूपमा फैलिएको कोरोना भाइरस (कोभिड- १९) को कारण नेपाल सरकारबाट २०७६ साल चैत्र ११ देखि बन्द्यान्दी लागू भएकोमा विभिन्न निकायहरूको समन्वय पछि लट १) सिभिल तथा हाइड्रोमैकानिकल कार्यका ठेकेदारबाट सिभिल निर्माण कार्य अगाडि बढाइएको भएता पनि लट २) इलेक्ट्रोमैकानिकल कार्यका ठेकेदारले कोभिड- १९ को कारण निजको देशमा भएको बन्द्यान्दीको कारण देखाई २०७६ साल चैत्र ८ मा एकतर्फी रूपमा साइट कार्यालय छाडी गएकोमा हालसम्म पनि उक्त लटको कार्य पूर्ण रूपमा सुरुवात हुन नसकेको।  
● यस वर्षको वर्षायामको शुरुवातमा नै असार ५ र ६ गते आयोजना स्थलमा आएको बाढी (flash flood) ले हेडवर्कको कफर ड्याम बगाएको कारण उक्त स्थानमा कार्य अगाडी बढाउन अवरोध भएको, अडि्ट सुरुइ CA# 2 जाने बेलीड्रिजमा क्षति पुऱ्याई सो स्थानबाट आवत जावतमा कठिनाई उत्पन्न भएको तथा CA #3 र #4 मा आएको पहिरोको कारण पहुँच मार्गमा पूर्ण रूपमा क्षति पुगेको।  
(ख) आगामी अवधिको व्यवसायिक योजनाका सम्बन्धमा व्यवस्थापनको विश्लेषणात्मक विवरण।  
माथि उल्लेखित कारणहरूबाट आयोजनाको पूर्व निर्धारित कार्यतालिका अनुरूप निर्माण कार्य हुन नसकेको र पछिल्लो संशोधित कार्यतालिका बमोजिम मिति २०७८ साल आषाढ मसान्त सम्ममा विद्युत उत्पादन गर्ने लक्ष्य रहेको छ। व्यापारिक विद्युत उत्पादन पश्चात रसुवागढी जलविद्युत आयोजनाबाट वार्षिक ६१ करोड ३८ लाख ७५ हजार युनिट विद्युत शक्ति उत्पादन भई वार्षिक ३ अर्ब २५ करोड आम्दानी प्राप्त हुनेछ।  
(ग) रसुवागढी जलविद्युत आयोजनाको निर्माण अवधिको व्याज बाहेकको शुरु लागत अनुमान रु.१३ अर्ब ६८ करोड ४२ लाख हुने गरि निर्माण कार्य सुरु गरिएकोमा विदेशी मुद्रा विनिमय दरमा परिवर्तन, बन्द हुँदा तथा प्राकृतिक विपत्ती का कारण आयोजना निर्माणको गति तथा लागतमा प्रभाव पर्ने।

३. कानूनी कारवाही सम्बन्धी विवरण  
(क) त्रैमासिक अवधिमा संगठित संस्थाले वा संस्थाको विरुद्ध कुनै मुद्दा दायर भएको छैन,  
(ख) संगठित संस्थाको संस्थापक वा संचालकले वा संस्थापक वा संचालकको विरुद्धमा प्रचलित नियमको अवज्ञा वा फौजदारी अपराध गरेको सम्बन्धमा कुनै मुद्दा दायर गरेको वा भएको छैन,  
(ग) कुनै संस्थापक वा संचालक विरुद्ध आर्थिक अपराध गरेको सम्बन्धमा कुनै मुद्दा दायर भएको छैन।

४. संगठित संस्थाको शेयर कारोबार तथा प्रगतिको विश्लेषण

| शेयरको अधिकतम मूल्य रु. | शेयरको न्यूनतम मूल्य रु. | शेयरको अन्तिम मूल्य रु. | शेयरको कारोबार रकम | शेयरको कारोबार संख्या | कारोबार भएको कुल दिन |
|-------------------------|--------------------------|-------------------------|--------------------|-----------------------|----------------------|
| ३४५/-                   | १९९/-                    | ३९०/-                   | १,९३,०४,७०,०३४/-   | ४१,८८,८७६             | ५८                   |

५. समस्य र चुनौती  
यस कम्पनी द्वारा निर्माणधिन १११ मे.वा. क्षमताको रसुवागढी जलविद्युत आयोजना निर्माणधिन अवस्थामा रहेको छ। मुख्यतः भूकम्प, नाकाबन्दी लगायतका कारण सिभिल कार्यको ठेकेदारबाट निर्माण कार्य ढिलाइ हुन गई अन्य लटहरूको निर्माण कार्यमा समेत असर पर्ने गएकोले आयोजनालाई तोकिएको अवधि र तोकिएको लागत भित्र सम्पन्न गर्न चुनौती रहेको छ। आयोजनाको म्याद थप भएको कारण आयोजना सम्पन्न हुँदा केही लागत बढ्नु जाने भएको छ। आयोजना निर्माण स्थल विकट स्थानमा रहेको र पहिरोको जोखिम अधिक रहेकोले समय समयमा निर्माण कार्य समेत असर परिरहेको।

६. संस्थागत सुशासन  
कम्पनी ऐन २०६३, आयकर ऐन २०५८, धितोपत्र ऐन २०६३ लगायतका कम्पनीलाई लागू हुने ऐन तथा नियमावलीहरूको पालना गरिएको छ। कम्पनीको संस्थागत सुशासनका निम्न लेखा परिषदण समिति, आयोजना कार्यन्वयन तथा अनुगमन समिति र पदपूर्ति समिति गठन गरि कार्यन्वयनमा ल्याइएको छ। कम्पनीको आर्थिक तथा प्रशासनीक कार्य लाई व्यवस्थित गर्न आर्थिक प्रशासन विनियामवली र कर्मचारी व्यवस्थापनका लागि कर्मचारी सेवा सर्त विनियामवली लगायतका नियम विनियमहरू संचालक समितिबाट स्वीकृत गराई लागू गरिएको छ।

७. सत्य, तथ्यता सम्बन्धमा अध्यक्ष/कार्यकारी प्रमुखको उद्घोषण  
आजका मितिसम्म यस प्रतिवेदनमा उल्लेखित जानकारी तथा विवरणहरूको शुद्धता सम्बन्धमा म व्यक्तिगत रूपमा उत्तरदायित्व लिन्छु। साथै म यो उद्घोष गर्दछु की मैले जाने बुझे सम्म यस प्रतिवेदनमा उल्लेखित विवरणहरू सत्य, तथ्य र पूर्ण छन् र लगानीकर्ताहरूलाई सूचित निर्णय लिन आवश्यक कुनै विवरण, सूचना तथा जानकारीहरू लुकाइएको छैन।

कार्यकारी प्रमुख  
रसुवागढी हाइड्रोपावर क. लि.

## चुरे समिति तत्काल खारेजी नहुने

### प्रगत ढकाल

काठमाडौं, २९ माघ

राष्ट्रिय गौरवको आयोजनाका रूपमा रहेको राष्ट्रपति चुरे तराई-मधेश संरक्षण विकास समिति नै खारेजीको चर्चा चले पनि तत्कालका लागि खारेज नहुने भएको छ। वन तथा वातावरण मन्त्रालयका सचिवालयले समिति नै खारेजी हुने विषयमा कुनै पनि सत्यता नभएको भन्दै स्पष्ट पारेको हो। मन्त्रालयकै केही उच्चपदस्थ कर्मचारी र समितिकै कर्मचारीहरूबीचमा पनि वनमन्त्री नै समिति खारेजीको तयारीमा रहेको चर्चा चलिरहेको छ। गोप्य स्रोतका अनुसार वनमन्त्री प्रेमबहादुर आले नै समिति खारेजी गर्न लागिपरेका छन्। तर, मन्त्रीका सचिवालयले भने केही कर्मचारीहरूले मन्त्रीलाई गिहाउनका लागि भेट्ने हल्ला फिजाएको भन्दै टिप्पणी गरेको छ।

वनमन्त्री प्रेम आलेका विज्ञ सल्लाहकार यम बमले समिति खारेजीका विषयमा मन्त्रालयमा छलफलसमेत नभएको र सबै बाहिरी हल्लामात्रै रहेको प्रतिक्रिया दिएका छन्। "यी हल्लामात्रै हुनु, प्रोपोगान्डा फिजाइएको छ, मन्त्रीज्यूको बन्दामा गराउनका लागि," उनले भने, "समिति खारेज हुँदैन, बोर्डका पदाधिकारीहरूको समयावधि सकिन लागेको छ, नयाँ सदस्य बनाउन सकिन्छ, तर गौरवको आयोजनामा राखिएको चुरे समिति नै खारेज गर्ने हाम्रो योजना छैन, कुनै टिप्पणी उठाएका छैनौं।"

उनले चुरे संरक्षणका कार्यक्रमलाई अझै हरियाली बढाउन र संरक्षणका लागि थप नयाँ ढाले अगाडि बढिने बताए। "हरियाली बढाउने तयारी छ, पानीको स्रोत सुक्दै गएको छ। चुरे क्षेत्रमा कसरी संरक्षण गर्ने भन्ने छ, राष्ट्रपतिको नाममा स्थापना भएको संस्था कसरी खारेज हुन्छ ?" बमले भने। समितिका सदस्य सचिव

कृष्णप्रसाद आचार्यले पनि समितिको पुनर्संरचना गर्ने भने छलफल भएको तर खारेजी गर्ने विषय हल्ला मात्रै भएको बताए। तर, सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ (फेकोफन) भने समिति नै खारेज गर्नुपर्छ भनेर लागेको छ। फेकोफनकी अध्यक्ष भारती पाठकले राज्यमन्त्रीसह सुविधा दिएर बोर्डका सदस्यलाई राज्यले पाल्नुभन्दा चुरे संरक्षणको जिम्मेवारी स्थानीय समुदायलाई दिएर खर्चको भार घटाउन आवश्यक रहेको बताइन्। "समितिको काम नै छैन, खर्च मात्रै बढाएर के हुन्छ ? चुरे संरक्षणको जिम्मेवारी स्थानीय समुदाय र स्थानीय निकायलाई नै सम्पुर्ण छुट्ट्याउनुपर्छ" उनले भनिन्, "समिति खारेजीका लागि आवाज उठाइरहेका छौं, तर सुनुवाइ नै भएको छैन, हाम्रो माग सुनुवाइ नभए आन्दोलनको तयारी गर्नेछौं।"

उनले वातावरण ऐनमा टेकेर चुरे क्षेत्रको संरक्षण भइरहेको भन्दै स्थानीय जनताको प्राकृतिक स्रोतको उपभोगमाथिको अधिकार नै हनन भएकोमा आक्रोश पोखिन्। "अब चुरेलाई वन ऐनअन्तर्गत राख्नुपर्छ, किनकि वातावरण ऐनले संरक्षणको पाटोलाई मात्रै समेटेको छ, यसैले चुरेमा खनजोत गर्न र भ्रारपात संकलन गर्नसमेत पाउँदैन।"

उनले भनिन्, "संरक्षण र व्यवस्थापन हुँदै हुनुपर्छ, जुन वन ऐनले गर्छ तर वातावरण ऐनले प्राकृतिक स्रोतको प्रयोग गर्न पाउने मानव अधिकारको कुरा नै गर्दैन, यसैले वातावरण ऐनमा टेकेर चुरे कार्यक्रम लागू गर्न हुँदैन।"  
चुरे विनाशबाट सिर्जित भएका र हुन सक्ने सम्भावित नकारात्मक असरलाई न्यूनीकरण गर्ने र बढाउने तयारी छ, पानीको स्रोत सुक्दै गएको छ। चुरे क्षेत्रमा कसरी संरक्षण गर्ने भन्ने छ, राष्ट्रपतिको नाममा स्थापना भएको संस्था कसरी खारेज हुन्छ ?" बमले भने। समितिका सदस्य सचिव

जस्तापाताले छाना छाना सरकारले विसं २०७४/७५ मा कार्यक्रम शुरु गरेको थियो। चालू आवभित्र मन्त्रालयले एक लाख ५० हजार सुर्खेत नागरिक आवास निर्माण गर्ने कार्यक्रम तय गरेको छ। आगामी तीन वर्षभित्र सात लाख ५० हजार विकासको छाना विस्थापन गर्ने लक्ष्य लिएको मन्त्रालयका प्रवक्ता कृष्णप्रसाद दावडाले जानकारी दिए।

३६ सय ६७ आवास एकाइ सम्पन्न